

[श्री बी० धार० शुक्ल]

कि गवर्नमेंट की नीतियों को, रजर्नमेंट के कामों को, गवर्नमेंट के कानून को बदलने के लिए अगर किसी किरम का समालोचना की जाती है या गवर्नमेंट का कानून के द्वारा बदलने का प्रयत्न किया जाता है तो वह इस के अन्तर्गत नहीं आता है।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं इस बिल का समर्थन करता हूँ।

17.54 hrs.

Re. BUSINESS OF THE HOUSE

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K. RAGHU RAMAIAH): I have an announcement to make.

Some hon. Members this side as well as that side told me that it would be desirable to have the discussion set down to-day under Rule 193 on some other day rather than at the fag end of today I consulted the Opposition leaders. Now it is agreed that it will not be taken up to-day but it will be taken up on the 5th February if possible after the government business is over and if for any reason, the government business is not over on that day, then we will have to sit on the 6th also for this and also for such of the government business as may be left over on the 5th. If we are sitting on the 6th, 6th being a Friday, only the government business will be taken and also this discussion, and no other private member's business.

श्री नरसिंह नारायण पांडे (गोरखपुर) :
चैयरमैन साहब, इस बारे में मेरा निवेदन यह है कि माननीय संसदीय मंत्री जी ने जो विचार रखा है वह ठीक विचार है। इस के लिए

पूरा एक दिन का डिस्कशन चाहिए जैसा कि आप चाहते हैं और जैसा कि सदन के इस ओर के और उधर के सदस्य चाहते हैं, लेकिन इस बीच में चैयरमैन साहब, मैं एक निवेदन आप से करना चाहता हूँ, और यहाँ पर साध मंत्री श्री शाह नवाज खाँ भी बैठे हुए हैं, कि यू० पी० में गले के किसानों को शर्मा का दाम नहीं मिल रहा है। इस बारे में आज ही प्रधान मंत्री जी के साथ, यू० पी० के पार्लियामेंट के सम्बन्धों की और उस में माननीय मुख्य मंत्री भी थे, जो बातचीत हुई उसमें यही कहा गया था कि हम चाहते हैं कि इस के बारे में पहल करें जिस से कम से कम कैन-प्राइस का मूल्य तो तय हो जाए।

इस सम्बन्ध में मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि जहाँ तक इस प्रश्न का सवाल है, इस का सम्बन्ध पूरी शूगरकेन पार्लियामेंट से है। यह केवल कैन-प्राइस का सवाल नहीं है। हर साल शूगर केन का एरियर बाकी रह जाता है। इसलिए पूरी शूगर पार्लियामेंट का मॉटर इस में इन्वाल्ड है। मैं चाहता हूँ कि अगर किसी भी तरीके से कैन-प्राइस का मापला हल कर दिया जाता है, तो भी इस डिस्कशन को पोस्टपोन न किया जाए।

SHRI K. RAGHU RAMAIAH: As for the time, it will be discussed by the Business Advisory Committee if it has not already done so. Whatever the Business Advisory Committee decides, will be adhered to.